आप को शान्ति मिले

शांति - कितना प्यारा और सुखदायक शब्द! शांति कुछ एसी है की जिस के लिए इन्सान की आत्मा तरसती है। लाखों लोग इसे खोज रहे हैं, लेकिन यह उनसे लाखों मील दूर लगता है। शांति जिसे धन खरीद नहीं सकता है, ज्ञान इसे पा नहीं सकता है, और प्रसिद्धि इसे लुभा नहीं सकती है। शांति को हो सकता है आप भी ढूंढ रहे है लेकिन आपको कोई सफलता नहीं मिली। कितनी बार, आपने इस शांति की कमी की वजह से, अपनी निराशा को दूसरों पर उतारना चाहा है, या शायद आपने खुद की जान लेने की भी सोची है? आप नशीले पदार्थो के माध्यम से शांति पाने की कोशिश कर सकते हैं; लेकिन यह एक सिद्ध तथ्य है कि एक बार जब नशीले पदार्थ का प्रभाव ख़त्म हो जाता है, तो ऐसी शांति बस हवा में गायब हो जाती है। कुछ लोग अतिश्रेष्ट ध्यान या योग को अपनाते है। हाल ही में जो अठारह महीनो से अतिश्रेष्ठ ध्यान का प्रयोग कर रहे थे उन लोगो के ऊपर मेडिकल टेस्ट किया गया, जिससें पता चला की जो लोग ध्यान का प्रयोग नहीं करते उनकें मुकाबले ध्यान का प्रयोग करने वाले लोगो के अन्दर दोगुना मानसिक गड़बड़ी पाई गई। कुछ लोग एकान्त में जीवन जीने के द्वारा बचने की कोशिश करते हैं, केवल यह पता लगाने के लिए कि बेचैनी का कारण दूसरो में इतना नहीं है जितना खुद में है। दुनिया से पीछे हटने की वजह से ही उन्हें अपने स्वभाव में भ्रष्टाचार का सामना करना पडा। अगर हम अपने जीवन में हर रोज समस्याओं के सामने शांति को ढूंढ न शके, तो जीवन का उद्देश्य क्या है।

क्यों हम आप के सामने इस पुस्तिका को प्रगट करते है इसका कारण है की हम किसी से आपकी मुलाक़ात करवाना चाहते है; केवल वही है जो आपको सच्ची और हंमेशा की शांति दे सकता है। वह कहेता है, “मैं तुम्हें शान्ति दिए जाता हूं, अपनी शान्ति तुम्हें देता हूं...तुम्हारा मन न घबराए और न डरे”। ये केवल खाली शब्द नहीं हैं, लेकिन ये उसके शब्द है जिसने ये साबित करने के लिए अपनी जान दे दी की वो आपसे प्रेम करता है, और आपकी सलामाती की परवाह करता है। कोई भी आपको शान्ति नहीं दे सकता है, सिवाय उसके जिसके पास वह है। एक है जो शान्ति का स्त्रोत है और आपको शान्ति देने का वादा करता है। उसे शांति का राजकुमार कहा जाता है। उसका नाम येशु है।

आप कह सकते हैं, “लेकिन येशु मेरे लिए वास्तविक नहीं है; मैं किसी ऐसे व्यक्ति से कुछ कैसे प्राप्त कर सकता हूं जिसे मैं देख भी नहीं सकता?” यदि येशु आपके लिए वास्तविक होता, तो आपके पास पहले से ही यह शान्ति होती। वह आपके लिए वास्तविक नहीं है उसका कारण यह है, की कुछ ऐसा है जो आपको उनसे और वह जो शान्ति आपको देना चाहते है उससे अलग करता है; वह आपका खुदका पाप है। हमारे मन की गहराई में हम ये जानते है की सही क्या है और गलत क्या है, और जब हम अंतरात्मा की उस आवाज को नजरअंदाज कर देते हैं, जो हमें कुछ चीजों को न करने के लिए कहती है, तब हम वास्तव में हमें जो शान्ति देना चाहता है उसकी और अपने कानो को बंध कर देते है। निम्नलिखित विवरण पर थोडासा सोचिए: “भला होता कि तू ने मेरी आज्ञाओं को ध्यान से सुना होता! तब तेरी शान्ति नदी के समान और तेरा धर्म समुद्र की लहरों के नाईं होता”। “यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने, और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है”।

अब यह आप पर निर्भर है। अगर आप वास्तव में शान्ति चाहते है, तो आपको यह करना है की आपके जीवन में आपको लगने वाली सारी गलत चीजों से मुड़ना है, और येशु को कहेना है की वो आपको क्षमा करे। वह पूरी तरह से सक्षम है और आपके द्वारा किए गए किसी भी पाप को माफ़ करने के लिए तैयार है, क्योंकि उसने मेरे और आपके पापों का दण्ड भुगतने के लिए क्रूस पर अपना जीवन दिया है। इसलिए निर्णय लीजिए की परमेश्वर आप से जो कुछ भी करने के लिए कहेता है वह आप करेंगे। अगर आप ऐसा करते है, तो आप वास्तविक शान्ति को पायेंगे, जो आपकी समझ से परे है, आपके असतित्व को भरदेती है, और यह शांति आपको कभी नहीं छोड़ेगी। जब आपके पाप हट जाते है, तब येशु जो शान्ति का राजकुमार है वो आपके लिए वास्तविक बन जाता है।

शान्ति, पाप और बिमारी से छूटकारा सब एक साथ मिलता है। येशु ने सब सहा और क्रूस पर मरा, न केवल हमें पापों से छूटकारा देने के लिए, बल्कि बिमारियों

और रोगों से छूटकारा देने के लिए भी। जब आप उसे अपने प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करते है, तब वह आपकी आत्माको केवल माफ़ी और शांति ही नहीं देता, बल्कि आपके शरीर को चंगाई भी देता है। राजा दाउद, जिसे यह अनुभव था वो इस प्रकार गाता है, "हे मेरे मन, यहोवा को धन्य कह, और उसके किसी उपकार को न भूलना; वही तो तेरे सब अधर्म को क्षमा करता, और तेरे सब रोगों को चंगा करता है"। निश्चित ही, जब आप शान्ति के राजकुमार यीशु से मिलेंगे और उनकी शांति को पायेंगे तब डर, चिन्ता और पीड़ा आपके हृदय से गायब हो जाएंगे। इसके अलावा आप आपके जीवन में, युध्ध और घृणा से बर्बाद इस संसार में शान्ति का उपाय लाने में सक्षम होंगे।

प्रार्थना: "प्रभु येशु, आप शान्ति के राज कुमार है, और मुझे आपके शान्ति की जरुरत है। में जानता हूं की मेरे पाप की वजह से में आपसे अलग हो गया हूं। कृपया करके मेरे पापों को क्षमा करे, और मेरे पापमय हृदय को अपने बहुमूल्य लहू से साफ़ कीजिए। आज, में आपको मेरे परमेश्वर और उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करता हूं। आप मुझे जो कुछ भी करने के लिए कहेंगे वो करने के लिए में तैयार हूं, लेकिन कृपया मेरी मदद करे। प्रभु मुझे चंगा करे और मुझे अपनी शान्ति दीजिए। आमीन"।